नईदुनिया

वित्त मंत्री सीतारमण ने की विश्व बैंक प्रमुख अजय बंगा से मुलाकात, सहयोग बढ़ाने पर चर्चा

वाशिंगटन

केंद्रीय वित्त एवं कार्पोरेट मामलों की मंत्री निर्मला सीतारमण ने विश्व बैंक के अध्यक्ष अजय बंगा से मुलाकात कर भारत तथा इस अंतरराष्ट्रीय वित्तीय संस्था के बीच सहयोग बढ़ाने पर चर्चा की।

वित्त मंत्रालय ने एक्स पोस्ट में बताया कि सीतारमण ने एशविले में जी20 सदस्य देशों के वित्त मंत्रियों और केंद्रीय बैंक गवर्नर (एफएमसीबीजी) की बैठक से इतर विश्व बैंक के अध्यक्ष अजय बंगा मुलाकात की। वित्त मंत्री ने भारत के साथ वर्ल्ड बैंक ग्रुप के लगातार जुड़ाव की सराहना की और 1.5 अरब डालर की डेवलपमेंट पालिसी फाइनेंसिंग (डीपीएफ) की तेज़ी से प्रोसेसिंग को सराहा।

इस मुलाकात के दौरान सीतारमण ने सिडबी के जरिए एमएसएमई को आईएफसी से मिले सहयोग की भी तारीफ़ की। इस प्रक्रिया को रिकार्ड समय में पूरा किया गया और इसका एमएसएमई सेक्टर पर सकारात्मक असर पड़ा है। दोनों नेताओं ने भारत-वर्ल्ड बैंक समूह की साझेदारी को और मजबूत करने पर चर्चा की। इसमें भारत में एमआईजीए की बड़ी भूमिका पर विचार करना भी शामिल था, ताकि गारंटी के व्यवस्थित इस्तेमाल और प्राइवेट कैपिटल को ज्यादा जुटाकर कार्पोरेट, इंफ्रास्ट्रक्चर और म्युनिसिपल बान्ड मार्केट को गहरा किया जा सके।

वित्त मंत्रालय ने बताया कि बातचीत में इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए क्रेडिट बढ़ाने के वास्ते सेक्टर-आधारित, प्रोग्राम-आधारित अप्रोच पर भी चर्चा हुई। बंगा ने भारत के इंफ्रास्ट्रक्चर में आए बड़े बदलाव की सराहना की और भारत के विकास लक्ष्यों को पूरा करने के लिए वर्ल्ड बैंक ग्रुप के साधनों का और फ़ायदा उठाने के मौकों पर ध्यान दिया। इसमें एमआईजीए की भागीदारी और विदेशों में निवेश करने वाली भारतीय कंपनियों के लिए पालिटिकल रिस्क इंश्योरेंस शामिल है।

वित्त मंत्री सीतारमण ने भारत में ग्लोबल डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर नालेज हब बनाने के लिए वर्ल्ड बैंक ग्रुप के साथ भारत के जुड़ाव पर भी जोर दिया। इसमें खेती जैसे क्षेत्रों में टेक्नोलाजी का फायदा उठाने के मौकों पर विचार करना शामिल है। उन्होंने इसके लान्च की दिशा में जल्द प्रगति की उम्मीद जताई।

इसके अलावा सीतारमण ने नए भारत-वर्ल्ड बैंक ग्रुप कंट्री पार्टनरशिप फ्रेमवर्क के तहत विश्व-स्तरीय टूरिज्म डेस्टिनेशन विकसित करने पर भी चर्चा की। इसके लिए आईबीआरडी की पालिसी और इंफ्रास्ट्रक्चर सपोर्ट, आईएफसी के निवेश और एमआईजीए की गारंटी को मिलाकर एक समन्वित अप्रोच अपनाने की बात हुई।

मंत्रालय के मुताबिक दोनों नेताओं ने साझेदारी को पारंपरिक कर्जदाता-उधारकर्ता रिश्ते से आगे बढ़ाकर ग्लोबल नालेज, इनोवेशन और प्राइवेट कैपिटल जुटाने के एक रणनीतिक प्लेटफार्म के रूप में विकसित करने पर भी चर्चा की। इसमें भारत के बड़े पैमाने और लागू करने की क्षमता को वर्ल्ड बैंक समूह की ग्लोबल विशेषज्ञता और फाइनेंसिंग साधनों के साथ जोड़ा जाएगा।

न्यूज ब्रीफ

जोमैटो ने एनालाग डेयरी उत्पादों की बिक्री पर लगाई रोक

मुंबई। फूड डिलीवरी प्लेटफार्म जोमैटो ने एनालाग डेयरी उत्पादों से बनी डिश की बिक्री पर रोक लगा दी है। खाद्य नियामक एफएसएसएआई की कई रेस्टोरेंट के खिलाफ हालिया कार्रवाई के बाद जोमैटो ने जीरो-टालरेंस पालिसी अपनाकर प्लेटफार्म पर लिस्टेड उन सभी खाद्य पदार्थों को हटा लिया है जिन्हें पार्टनर्स ने एनालाग डेयरी आधारित बताया था। कंपनी ने स्पष्ट किया कि इस कदम का मुख्य उद्देश्य ग्राहकों के लिए पारदर्शिता सुनिश्चित करना और परोसे जा रहे भोजन की गुणवत्ता बेहतर करना है। जोमैटो ने चेतावनी भी दी है कि जो रेस्टोरेंट उसकी नई शर्तों को पूरा नहीं करते, उन्हें प्लेटफार्म से हटाया जा सकता है। नई पालिसी के तहत, रेस्टोरेंट पार्टनर्स को अब प्राकृतिक डेयरी उत्पादों का ही उपयोग करना होगा। जो रेस्टोरेंट तुरंत ऐसा नहीं कर सकते, उन्हें निर्देश दिया गया है कि वे एनालाग डेयरी वाले आइटम को अपने मैन्यू से हटा दें। इसके अतिरिक्त, रेस्टोरेंट से आपूर्तिकर्ताओं द्वारा दिए गए प्रोडक्ट लेबल और सामग्री की जानकारी की गंभीरता से जांच करने को कहा गया है, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि जोमैटो पर लिस्टेड प्रोडक्ट्स की जानकारी पूरी तरह सही और वास्तविक सामग्री के अनुरूप हो। जोमैटो के सीईओ आदित्य मंगला ने कहा, हमारा मुख्य मकसद अधिक से अधिक लोगों तक बेहतर खाना पहुंचाना है।

उदारीकरण की दहलीज पर मुंबई, बदलाव का शुरुआती दौर, उदारीकरण और यूएलसी ने बदल दी मुंबई की तस्वीर, कैसे बंदरगाह शहर बना वित्तीय राजधानी

नई दिल्ली। वर्ष 1991 में देश में आर्थिक उदारीकरण की शुरुआत ने मुंबई जैसे महानगरों के लिए परिवर्तन का मार्ग प्रशस्त किया। कभी बंदरगाह आधारित अर्थव्यवस्था और कपड़ा मिलों का गढ़ रहा यह शहर, सुधारों की बयार में एक नए वित्तीय केंद्र और कभी न सोने वाले शहर के रूप में उभरा। इस बदलाव की कहानी केवल आर्थिक नीतियों तक सीमित नहीं थी, बल्कि इसमें भूमि उपयोग कानूनों में संशोधन और शहरी जमीन सीमा अधिनियम (यूएलसी) का उन्मूलन जैसे अहम कारक भी शामिल थे। उदारीकरण से पहले ही मुंबई बदलाव के मुहाने पर खड़ा था। यह शहर अपनी बंदरगाह आधारित अर्थव्यवस्था और विनिर्माण केंद्र के लिए जाना जाता था, लेकिन सेवा क्षेत्र की ओर कदम बढ़ा रहा था। तब यह काफी हद तक सरकारी नियम-कायदे की जद में था। 1991 के आर्थिक सुधारों ने इस बदलाव की गति को असाधारण रूप से तेज कर दिया।

किआ सोरेंटो की नई एसयूवी 4 सितंबर को होगी लान्च

नई दिल्ली। भारतीय बाजार में किआ सोरेंटो की नई प्रमुख एसयूवी के रूप में 4 सितंबर को लान्च होने जा रही है। मजबूत हाइब्रिड संस्करण में 1.6 लीटर इंजन दिया जाएगा, जो 238 हार्सपावर की ताकत और 380 न्यूटन मीटर का अधिकतम टार्क पैदा करेगा। यह एसयूवी मजबूत हाइब्रिड और डीजल, दोनों इंजन विकल्पों के साथ उतारी जाएगी। वहीं, 2.0 लीटर डीजल इंजन 202 हार्सपावर की ताकत और 441 न्यूटन मीटर का टार्क देगा, जिससे यह परफार्मेंस के मामले में भी काफी दमदार होगी। सोरेंटो के बाहरी डिजाइन में किआ की सिग्नेचर टाइगर नोज ग्रिल प्रमुखता से दिखेगी। इसके साथ बड़े और सीधे आकार के एलईडी हेडलैंप दिए गए हैं, जिनमें वाई-आकार की एलईडी डे-टाइम रनिंग लाइट्स मिलती हैं। आगे की तरफ एलईडी फाग लैंप और बंपर के किनारों पर वर्टिकल एयरो वेंट भी दिए गए हैं, जो इसकी स्पोर्टी अपील को बढ़ाते हैं। कंपनी ने अभी मिश्रधातु पहियों का आकार आधिकारिक तौर पर नहीं बताया है, लेकिन इसमें 19 इंच के आकर्षक पहिए मिलने की संभावना है। पीछे की तरफ चौकोर आकार के टेल-लैंप, उल्टे एल-आकार की एलईडी लाइट सिग्नेचर, एक बड़ा रूफ स्पायलर और दो रंगों वाला बंपर डिजाइन इसे आधुनिक और प्रीमियम लुक देता है। केबिन के अंदर भी सोरेंटो को एक आधुनिक और शानदार रूप दिया गया है। सामने की तरफ एक जुड़ा हुआ डिस्प्ले पैनल दिया गया है, जिसमें मनोरंजन प्रणाली और चालक सूचना प्रणाली के लिए दो बड़ी स्क्रीन शामिल हैं।

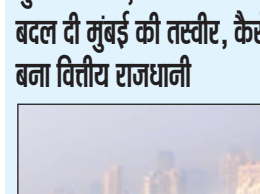

भारत में सेमीकंडक्टर क्रांति को मिलेगा बल, सरकार ने अधिसूचित की सेमीकान 2.0 योजना

सिलिकान फैब को 40 और अन्य सेमीकंडक्टर को 35 फीसदी पूंजीगत व्यय पर मिलेगी वित्तीय सहायता

नई दिल्ली

भारत को वैश्विक सेमीकंडक्टर हब बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाते हुए, सरकार ने अपनी महत्वाकांक्षी सेमीकान 2.0 योजना को अधिसूचित कर दिया है। यह योजना देश में चिप डिजाइन, सेमीकंडक्टर निर्माण, उपकरण और सामग्री विकास, उन्नत पैकेजिंग, शोध एवं विकास (आरऐंडडी) और प्रतिभा विकास से जुड़ी परियोजनाओं को व्यापक पात्रता मानदंड और वित्तीय सहायता प्रदान करेगी।

केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा इस साल जुलाई में 1,27,500 करोड़ रुपये के कुल परिव्यय के साथ स्वीकृत की गई यह योजना छह प्रमुख स्तंभों और 10 श्रेणियों पर आधारित है। नए दिशानिर्देशों के तहत सिलिकान वेफर फैब (निर्माण संयंत्र) को उनके पात्र पूंजीगत व्यय के 40 प्रतिशत तक की वित्तीय सहायता मिलेगी।

इस सहायता के लिए अर्हता प्राप्त करने हेतु, एक 300-मिमी सिलिकान फैब में प्रति माह कम से कम 40,000 वेफर स्टार्ट्स की स्थापित क्षमता होनी चाहिए। साथ ही, न्यूनतम 20,000 करोड़ रुपये का पूंजी निवेश आवश्यक होगा और आवेदन से पहले के तीन वित्त वर्षों में से कम से कम एक में 7,500 करोड़ रुपये का न्यूनतम राजस्व दर्ज करना होगा। कंपाउंड सेमीकंडक्टर, फोटोनिक्स, सेंसर और डिस्क्रीट सेमीकंडक्टर फैब संयंत्रों के लिए, वित्तीय सहायता पात्र पूंजीगत व्यय के 35 प्रतिशत पर निर्धारित की गई है। इन संयंत्रों के लिए न्यूनतम पूंजी निवेश की सीमा 500 करोड़ रुपये है। दिशानिर्देशों में सेंसर/एमईएमएस फैब के लिए न्यूनतम 200 मिमी, कंपाउंड और डिस्क्रीट सेमीकंडक्टर फैब के लिए 150 मिमी और फोटोनिक्स अनुप्रयोगों के लिए 100 मिमी वेफर आकार तय किए गए हैं। उद्योग विशेषज्ञों ने सरकार के इस कदम का गर्मजोशी से स्वागत किया है।

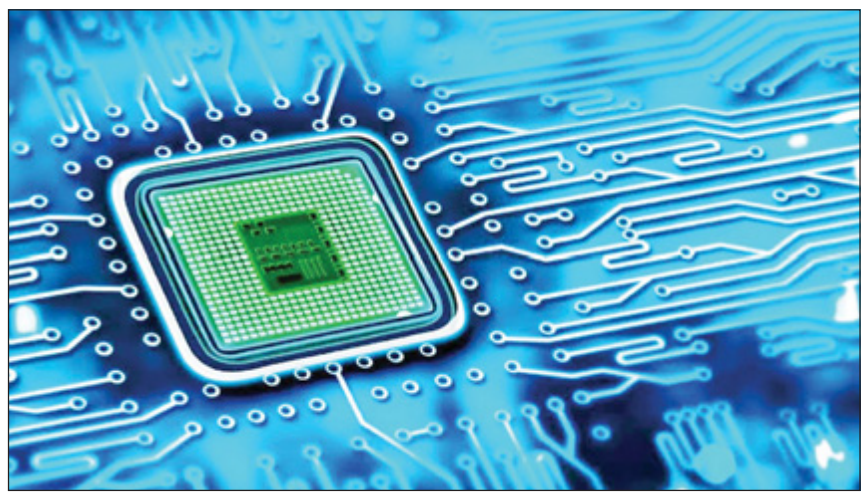

हुंडई की 2030 तक भारत में 26 नए माडल लान्च करने की तैयारी

नई दिल्ली। जापानीज कार निर्माता हुंडई कंपनी 2030 तक भारत में 26 नए माडल लान्च करने की तैयारी में है, जिसमें नई क्रेटा भी शामिल होगी। हुंडई अपनी सबसे लोकप्रिय एसयूवी क्रेटा के नेक्स्ट-जेनरेशन माडल पर काम कर रही है, जो अगले साल यानी 2027 में भारतीय बाजार में दस्तक दे सकती है। इस अपडेटेड माडल में डिजाइन, इंटीरियर और इंजन विकल्पों में बड़े बदलाव देखने को मिलेंगे, जिससे यह मौजूदा माडल से काफी अलग और आधुनिक प्रतीत होगी। स्पाई शाट्स के अनुसार, नई क्रेटा में नए फ्रंट और रियर बंपर, नए डिज़ाइन के अलाय व्हील, बदले हुए हेडलैंप और टेल-लैंप जैसे बाहरी बदलाव होंगे। इसके अलावा, नए ओआरवीएमएस और क्वार्टर पैनल में भी संशोधन अपेक्षित हैं। केबिन के भीतर भी बड़ा बदलाव देखने को मिलेगा, जिसमें नया डैशबोर्ड, नई फ्रंट सीट्स, नया अपहोल्स्ट्री डिज़ाइन और एक कर्व्ड स्क्रीन सेटअप प्रमुख होंगे। उम्मीद है कि इसमें फ्रंट पैसेंजर सीट पर बास मोड और हुंडई का नया प्लोस टचस्क्रीन इन्फोटेनमेंट सिस्टम भी मिलेगा, जो भारत में इस साफ्टवेयर की शुरुआत करेगा और बेहतर कनेक्टिविटी व यूजर इंटरफेस प्रदान करेगा। इंजन स्पेसिफिकेशन्स की जानकारी अभी कंपनी ने साझा नहीं की है, लेकिन मौजूदा इंजन विकल्पों के साथ पहली बार हाइब्रिड पावरट्रेन को भी शामिल किए जाने की संभावना है। इससे एसयूवी को बेहतर माइलेज और शहर में कम ईंधन खपत का लाभ मिलेगा। यह निसान टेक्टान और टाटा सिएरा जैसी आगामी कारों को चुनौती देगी।

मारुति सुजुकी का 77,500 करोड़ रुपये का मेगा निवेश

मुंबई

मारुति सुजुकी इंडिया ने अगले पांच वर्षों में (वित्त वर्ष 2027 से 2031 तक) अपने कारोबार विस्तार और उत्पादन क्षमता में वृद्धि के लिए 77,500 करोड़ रुपये के बड़े पूंजीगत खर्च की योजना तैयार की है। यह राशि पहले घोषित योजना से करीब 29 से 30 फीसदी अधिक है, जो भारतीय वाहन बाजार में कंपनी के मजबूत विश्वास को दिखाता है।

इस विशाल निवेश का उपयोग उत्पादन क्षमता विस्तार, नए वाहनों के विकास, शोध एवं विकास (आरएंडटी), संयंत्रों के रखरखाव और देश भर में बिक्री नेटवर्क को मजबूत करने जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में होगा। कंपनी के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी हिसाशी ताकेउची ने बताया कि वित्त वर्ष 2027 में ही करीब 14,000 करोड़ रुपये का पूंजीगत खर्च किया जाएगा, जो बीते वित्त वर्ष से करीब 40 फीसदी अधिक है।

वर्तमान में, हरियाणा के खरखौदा और गुजरात के हंसलपुर में विस्तार के बाद मारुति सुजुकी की सालाना उत्पादन क्षमता करीब 29 लाख वाहन हो गई है। कंपनी का लक्ष्य गुजरात के साणंद में एक नया संयंत्र स्थापित कर चरणबद्ध तरीके से क्षमता को 40 लाख वाहनों तक पहुंचाना है। कंपनी का ध्यान तेजी से बढ़ते एसयूवी (स्पोर्ट्स यूटिलिटी व्हीकल) बाजार पर भी केंद्रित है। अगले पांच वर्षों में सात नए एसयूवी माडल पेश करने की योजना है, जिसके माध्यम से कंपनी सेगमेंट में अपनी स्थिति मजबूत करना चाहती है। नए संयंत्रों में उत्पादन व्यवस्था को अधिक लचीला बनाया जाएगा, जिससे एक ही लाइन पर इलेक्ट्रिक, हाइब्रिड, सीएनजी और पेट्रोल-डीजल इंजन वाले वाहन तैयार किए जा सके। इस निवेश का एक हिस्सा कार्बन उत्सर्जन कम करने, लाजिस्टिक्स, विपणन, बिक्री ढांचे और शोध एवं विकास पर भी खर्च होगा। हालांकि, कच्चे माल और वाहन कलपुर्जों की बढ़ती लागत तथा पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष जैसे कारक कंपनी के लिए लागत दबाव बढ़ा रहे हैं। इसके बावजूद, यह बड़ा निवेश भारतीय वाहन बाजार में लंबी अवधि की मांग और सतत वृद्धि को लेकर मारुति सुजुकी के दृढ़ संकल्प और भरोसे को रेखांकित करता है।

7 नई एसयूवी के साथ उत्पादन क्षमता बढ़ाने पर जोर

एथर एनर्जी जल्द लांच करेगी अपना नया इलेक्ट्रिक स्कूटर कोनार्क

नई दिल्ली। आगामी 29 अगस्त को एथर एनर्जी कंपनी बेंगलुरु में अपना नया इलेक्ट्रिक स्कूटर कोनार्क लान्च करने जा रही है। कोनार्क को एथर के बिल्कुल नए ईएल प्लेटफार्म पर तैयार किया गया है, जो इस प्लेटफार्म पर निर्मित होने वाला पहला माडल है। यह वाहन कंपनी के पोर्टफोलियो में एक महत्वपूर्ण विस्तार होगा, जिसका उद्देश्य व्यापक ग्राहक वर्ग तक अपनी पहुंच बनाना है। कंपनी ने इसके उत्पादन के लिए छत्रपति संभाजीनगर में एक नई निर्माण इकाई भी स्थापित की है। एथर के मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने इस उपलब्धि को हीरो मोटोकार्प के अध्यक्ष पवन मुंजाल के साथ साझा किया, जिन्होंने 2016 में शुरुआती चरण में ही इसमें निवेश किया था। कोनार्क धातु यानी मेटल बाडी के साथ बाजार में आएगा, जिसकी बनावट मजबूत और दैनिक उपयोग के लिए अनुकूल होगी। इसका डिजाइन पारिवारिक जरूरतों को ध्यान में रखकर बनाया गया है, जिसमें हैंडलबार पर मुख्य लाइट, एक लंबी व सपाट सीट और सामान रखने के लिए समतल फुटबोर्ड जैसी सुविधाएं हैं। इसमें दो से पांच किलोवाट-घंटा क्षमता तक के बैटरी विकल्प मिल सकते हैं, जो एक बार चार्ज होने पर 100 से 150 किलोमीटर तक की दूरी तय करने में सक्षम होगा। लागत नियंत्रण और मजबूती के लिए इसमें एलएफपी बैटरी तकनीक का उपयोग होने की संभावना है।

सर्राफा बाजार में गिरावट जारी, सोना और चांदी की घटी कीमत

नई दिल्ली

सर्राफा बाजार में शुरुआती कारोबार के दौरान जबरदस्त गिरावट का रुख बना हुआ नजर आ रहा है। चेन्नई के अलावा देश के ज्यादातर हिस्सों में सोना 2,090 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 2,680 रुपये प्रति 10 ग्राम तक सस्ती हो गई है। वहीं चेन्नई में सोने की कीमत 1,950 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 2,130 रुपये प्रति 10 ग्राम तक गिर गई है। चांदी भी ज्यादातर सर्राफा बाजार में 5,000 रुपये प्रति किलोग्राम तक सस्ता हो गया है।

भाव में बदलाव होने की वजह से देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 1,54,080 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,54,630 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना 1,41,240 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,41,740 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में भी गिरावट आने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में शुरुआती कारोबार में 2,49,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है।

दिल्ली में 24 कैरेट सोना 1,54,230 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,41,390 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,54,080 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,41,240 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,54,130 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,41,290 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है।

इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 1,54,630 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,41,740 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,54,080 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,41,240 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,54,130 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,41,290 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,54,230 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,41,390 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,54,130 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,41,290 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 1,54,230 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,41,390 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

ग्लोबल मार्केट से कमजोरी के संकेत, एशिया में भी बिकवाली का दबाव

नई दिल्ली

अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत में आई तेजी, अमेरिकी ट्रेजरी यील्ड में बढ़ोतरी और पश्चिम एशिया में लगातार बढ़ते तनाव की वजह से दुनिया भर के ज्यादातर शेयर बाजार में न्यूनतम जोखिम पर काम करने का माहौल बना हुआ है। पूरी दुनिया में ज्यादातर निवेशक सतर्क मुद्रा में कारोबार करते हुए नजर आ रहे हैं। इसकी वजह से ग्लोबल मार्केट से कमजोरी के संकेत मिल रहे हैं।

वैश्विक दबाव की वजह से अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान गिरावट के साथ बंद हुए। डाउ जान्स फ्यूचर्स भी मामूली कमजोरी के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार में भी पिछले सत्र के दौरान लगातार बिकवाली का दबाव बना रहा। इसी तरह एशियाई बाजार में भी चौतरफा बिकवाली होती हुई नजर आ रही है।

पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव और उसकी वजह से अमेरिका की अर्थव्यवस्था पर पड़ रहे

निगेटिव इफेक्ट की वजह से अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान निवेदक जोखिम लेने से बचते हुए नजर आए। निवेशकों की सतर्कता की वजह से वाल स्ट्रीट के सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में बंद हुए। एस एंड पी 500 इंडेक्स 0.71 प्रतिशत टूट कर 7,631.47 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह नैस्डेक ने 271.11 अंक यानी 1.03 प्रतिशत लुढ़क कर 26,099.77 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। वहीं डाउ जान्स फ्यूचर्स फिलहाल 0.01 प्रतिशत की सांकेतिक कमजोरी के साथ 52,762.66 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है।

यूरोपीय बाजार में भी पिछले सत्र के दौरान लगातार दबाव बना रहा। एफटीएसई इंडेक्स 0.32 प्रतिशत की गिरावट के साथ 10,789.28 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह सीएसी इंडेक्स ने 0.39 प्रतिशत फिसल कर 8,301.85 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 288 अंक यानी 1.11 प्रतिशत टूट कर 25,970.11 अंक के स्तर पर बंद हुआ। एशियाई बाजार में भी लगातार बिकवाली हो रही है। एशिया के सभी नौ बाजार के सूचकांक दबाव में कारोबार कर रहे हैं। गिफ्ट निफ्टी 117 अंक यानी 0.49 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 23,934 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स 0.15 प्रतिशत लुढ़क कर 6,589.98 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। कोस्पी इंडेक्स में जबरदस्त गिरावट आई है। यह सूचकांक फिलहाल 256.23 अंक यानी 3.75 प्रतिशत टूट कर 6,579.57 के स्तर पर आ गया है। इसी तरह निक्केई इंडेक्स भी जबरदस्त कमजोरी का शिकार हो गया है। फिलहाल यह सूचकांक 1,962.34 अंक यानी 2.96 प्रतिशत फिसल कर 64,253 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। इसके अलावा ताइवान वेटेड इंडेक्स 716.29 अंक यानी 1.53 प्रतिशत की गिरावट के साथ 46,232.43 अंक के स्तर पर आ गया है।

वहीं हैंग सेंग इंडेक्स 276.73 अंक यानी 1.10 प्रतिशत लुढ़क कर 25,053 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। इसके अतिरिक्त शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.82 प्रतिशत टूट कर 3,947.26 अंक के स्तर पर, सेट कंपोजिट इंडेक्स 0.78 प्रतिशत फिसल कर 1,576.23 अंक के स्तर पर और स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 0.02 प्रतिशत की मामूली गिरावट के साथ 5,709.051 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।